आदि गणेश मनाईए- संजय गुलहाटी

(गजाननं भूत गणादि सेवितं,
कपित्थ जम्बू फल चारू भक्षणम् ।
उमासुतं शोक विनाशकारकम्,
नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम् ॥)

शिव गौरां के, राज दुलारे* ॥
मुंह माँगा, फ़ल पाईऐ,
आदि गणेश मनाईए, x॥ -॥
जय जय, जय जय, गणपति जी की ॥

चंदन चौकी, अध्क विराजे ॥
चंदन चौकी, अध्क विराजे* ।
गंगा, जल से नहलाईए,
आदि गणेश मनाईए,,,
आदि गणेश मनाईए, x॥ -॥
जय जय, जय जय, गणपति जी की ॥

फूल माल ग़ल, हार विराजे ॥
फूल माल ग़ल, हार विराजे* ।
मस्तक, तिलक लगाईए,
आदि गणेश मनाईए,,,
आदि गणेश मनाईए, x॥ -॥
जय जय, जय जय, गणपति जी की ॥

पान सुपारी, ध्वजा नारियल ॥
पान सुपारी, ध्वजा नारियल* ।
पहलड़ी, भेंट चढ़ाईए,
आदि गणेश मनाईए,,,
आदि गणेश मनाईए, x॥ -॥
जय जय, जय जय, गणपति जी की ॥

गिरी छुहारा, और खोपरा ॥
गिरी छुहारा, और खोपरा* ।
लडडूयन, भोग लगाईए,
आदि गणेश मनाईए,,,
आदि गणेश मनाईए, x॥ -॥
जय जय, जय जय, गणपति जी की ॥

सिमर चरण तेरा, ध्यानु यश गावे ।
मईया नू सिमरिया, नौं निद्धि पावे ।
सिमर चरण तेरा, ध्यानु यश गावे* ॥
चरनों में, शीश झुकाईए,

आदि गणेश मनाईए,,,
आदि गणेश मनाईए, xll -ll
जय जय, जय जय, गणपति जी की ll

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28824/title/aad-ganesh-manaiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |